मेरा राम मिलन कैसे होय गली तो चारो बंद पड़ी

मेरा राम मिलन कैसे होय,
गली तो चारो बंद पड़ी,
मेरा हरि से मिलन कैसे होय,
गली तो चारो बंद पड़ी।**lbd।**

काम क्रोध मद लोभ ने रे,
रोकी चारो गेल,
इस गली में मेरा प्रीतम प्यारा,
मैं किस विद् करलू में सेल,
गली तो चारो बंद पड़ी,
मेरा हरि से मिलन कैसे होय,
गली तो चारो बंद पड़ी।**lbd।**

पांच पच्चीस पहर्वे ठाडे,
रोक लिया सब ठाम,
ऐसी तो विदिना ने रचती,
बेरी बसा रखयो गाम,
गली तो चारो बंद पड़ी,
मेरा हरि से मिलन कैसे होय,
गली तो चारो बंद पड़ी।**lbd।**

आसा तरसना बड़ी दुवेली,
इन में रेयो समान,
कनक कामिनी गेरा फंदा,
अंत तजयो नी जाय,
गली तो चारो बंद पड़ी,
मेरा हरि से मिलन कैसे होय,
गली तो चारो बंद पड़ी।**lbd।**

ज्ञान भगति बेराग जोग ने,
रस्तों दियो बताय,
कहे कबीर सुनो भाई साधो,
ना आवे ना फिर जावे,
गली तो चारो बंद पड़ी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मेरा हरि से मिलन कैसे होय,
गली तो चारो बंद पड़ी।lbd।

मेरा राम मिलन कैसे होय,
गली तो चारो बंद पड़ी,
मेरा हरि से मिलन कैसे होय,
गली तो चारो बंद पड़ी।lbd।

Upload By – Vinod Kumar
9680939507

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com